2024 में मुंबईकरों का सफर होगा आसान

पंकज पांडेय, मुंबई : वर्षों से ट्रैफिक की समस्या से जूझ रही मुंबई के लोगों के लिए अगला साल राहत लेकर आने वाला है। 2024 में मुंबई को 33 किमी लंबी नई मेट्रो लाइन के साथ ही कई अन्य प्रॉजेक्ट पूरे होने वाले हैं। प्रॉजेक्ट के पूरे होने से लोकल ट्रेन की भीड़ कम होने के साथ ही ट्रैफिक जाम में भी कमी आने की उम्मीद है। मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने समुद्र पर देश का सबसे लंबा ब्रिज करीब-करीब तैयार कर लिया है। वहीं मुंबई से नागपुर के बीच बन रहा देश का सबसे हाईटेक हाइवे का काम भी अंतिम चरण के करीब पहुंच गया है। इन प्रॉजेक्ट के तैयार हो जाने से मुंबई से नवी मुंबई पहुंचना अब बेहद आसान होगा। वहीं समृद्धि महामार्ग के मुंबई से नाशिक, शिर्डी और नागपुर तक वाहनों के लिए ट्रैफिक मुक्त सड़क उपलब्ध होगी।

NBT स्पेशल

समुद्र पर देश का सबसे लंबे ब्रिज का काम अंतिम चरण में

हाइटेक हाइवे के काम ने भी पकड़ ली है रफ्तार

डिवेलपमेंट के ये कार्य हैं प्रगति पर

85	82	90	78
प्रतिशत तक तैयार सांताक्रुज-चेंबूर लिंक रोड	फीसदी तक तैयार कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज के बीच मेट्रो-3 कॉरिडोर	फीसदी पूरा हुआ आरे से बीकेसी तक मेट्रो का निर्माण कार्य	प्रतिशत तक तैयार बीकेसी से कफ परेड का दूसरा फेज

अंडरग्राउंड मेट्रो में सफर

2023 में मुंबई को 35 किमी लंबी एलिवेटेड मेट्रो लाइन मिली है। वहीं सरकार ने अगले साल में करीब 33 किमी के मार्ग पर अंडरग्राउंड मेट्रो का संचालन शुरू करने की तैयारी की है। कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज के बीच मेट्रो-3 कॉरिडोर 82 फीसदी तक तैयार हो चुका है। मेट्रो-3 को मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएसआरसी) ने दो फेज में शुरू करने की योजना बनाई है। पहले फेज में आरे से बीकेसी तक मेट्रो का निर्माण करीब 90 फीसदी और बीकेसी से कफ परेड का दूसरा फेज 78 प्रतिशत तैयार है। पहले फेज में मेट्रो को दौड़ाने के लिए ट्रायल रन चल रहा है। सरकार ने दिसंबर 2023 में पहला फेज और जून 2024 में पूरे रूट पर सेवा शुरू करने की योजना बनाई है।

मुंबई से नवी मुंबई 20 मिनट में

मुंबई से नवी मुंबई की दूरी कम करने के लिए समुद्र पर 22 किमी लंबे ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। 22 किमी के इस रूट पर कोई सिग्नल नहीं होगा। वाहन तेज गति से केवल 15 से 20 मिनट में मुंबई से नवी मुंबई तक पहुंच जाएंगे। ब्रिज का निर्माण कार्य करीब 94 फीसदी तक हो चुका है। 2023 के अंत तक यह ब्रिज वाहनों की आवाजाही के लिए खुल सकता है। शिवडी-न्हावासेवा ट्रांस हार्बर लिंक प्रॉजेक्ट (एमटीएचएल) के बन जाने से एमएमआर के दो शहर बेहद करीब हो जाएंगे।

ट्रैफिक की समस्या होगी कम

पूर्वी और पश्चिमी उपनगर को जोड़ने वाला सांताक्रुज-चेंबूर लिंक रोड (एससीएलआर एक्सटेंशन) 85 प्रतिशत तक तैयार हो चुका है। इस वर्ष के अंत या 2024 के आरंभ तक फ्लाईओवर से वाहनों की आवाजाही शुरू हो जाएगी। फेज-1 के तहत 1.2 किमी लंबा फ्लाईओवर एमटीएनएल जंक्शन (बीकेसी) से एलबीएस फ्लाईओवर कुर्ला के बीच बन रहा है। फेज-2 के तहत 5.4 किमी लंबे फ्लाईओवर का निर्माण कलीना स्थित मुंबई यूनिवर्सिटी के करीब से वाकोला जंक्शन के बीच किया जा रहा है।

समृद्धि महामार्ग पर शुरू होगी वाहनों की आवाजाही

मुंबई से नागपुर के बीच बन रहे 701 किमी लंबे समृद्धि महामार्ग पर वाहनों की आवाजाही 2024 से शुरू हो जाएगी। मौजूदा समय में नाशिक से ठाणे के बीच मार्ग तैयार करने का काम चल रहा है। अगले वर्ष के शुरुआती कुछ महीने तक यह कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। वहीं मुंबई से नागपुर का सफर केवल 7 से 8 घंटे में पूरा करना संभव होगा। मुंबई से रोजाना सैकड़ों यात्री साईबाबा का दर्शन करने के लिए सड़क मार्ग से शिर्डी जाते हैं। मौजूदा समय में यह सफर पूरा करने में चार से पांच घंटे का समय लगता है। वहीं समृद्धि के खुल जाने से भक्त दो से तीन घंटे में ही शिर्डी पहुंच सकेंगे।

ऐरोली कटाई नाका रोड प्रॉजेक्ट से घटेगी कल्याण-बदलापुर की दूरी

2024 में मुंबई से कल्याण और बदलापुर की दूरी कम होने वाली है। इसके लिए एमएमआरडीए 12.3 किमी लंबा एलिवेटेड रोड तैयार कर रही है। ऐरोली कटाई नाका रोड प्रॉजेक्ट के बन जाने से इस रूट की दूरी में 10 किमी की कमी आ जाएगी। रूट की दूरी घटाने के लिए पारसिक हिल को काट कर दो टनल बनाई जा रही है। ऐरोली कटाई नाका प्रॉजेक्ट का काम तीन चरण में हो रहा है। पहले चरण के तहत ठाणे बेलापुर रोड से नेशनल हाइवे-4 के बीच 3.50 किमी लंबा एलिवेटेड रोड बन रहा है। पहले चरण में 88 फीसदी मार्ग तैयार करने और 66 फीसदी टनल तैयार करने का काम हो चुका है। दूसरे चरण के तहत एलिवेटेड रोड मुलुंड- ऐरोली क्रीक ब्रिज (ऐरोली अंत) और ठाणे-बेलापुर रोड के बीच होगा। यह मार्ग 2.57 किमी लंबा है। यह मार्ग 63 प्रतिशत तक बन चुका है। तीसरे चरण के तहत एलिवेटेड रोड नेशनल हाइवे से कटाई नाका के बीच बनेगा। इसकी लंबाई 6.29 किमी है। प्रॉजेक्ट के तहत बन रही टनल का सर्वाधिक फायदा कल्याण और नवी मुंबई परिसर में रहने वाले लोगों को होगा। मौजूदा समय में कल्याण से ऐरोली पहुंचने में करीब 1 घंटे 15 मिनट का समय लगता है। टनल तैयार हो जाने के बाद यह समय घट कर 45 मिनट रह जाएगा।